

19/9/24

पतावती पेरा हुई। अधिग्रहण वादी मध्य वादी अनुपाल्यित।  
रक्त-रक्त कर गीन-कार धावापे दिव्यदि गई। सतत  
सोत्र SPm ही चूसत है। अतः वादी मध्य अधिग्रहण वादी  
के अनुपाल्यित रहने पर वादी का वाद अफम हलदी।  
अफम पेशती से खारिज किया जाना है। पतावती में  
शुभार लेकर नरवर से कर ही।

विनीत सुभाषा गणा ।

